



वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

अरुणाचल प्रदेश में मसालों एवं जड़ी-बूटियों को बढ़ावा देने और राज्य के किसानों को देश-विदेश के बाजारों से एकीकृत करने के लिए क्रेता-विक्रेता बैठक और मसाला किसान उत्पादक कंपनियों (एसएफपीसी) की स्थापना के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

Posted On: 26 APR 2017 7:56PM by PIB Delhi

वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अरुणाचल के पहाड़ी राज्य में उगाये जाने वाले मसालों एवं जड़ी-बूटियों पर रोशनी डालने और राज्य के किसानों को देश-विदेश के बाजारों से एकीकृत करने के लिए आज इटानगर में मसाला बोर्ड द्वारा आयोजित क्रेता-विक्रेता बैठक और मसाला किसान उत्पादक कंपनियों (एसएफपीसी) की स्थापना के लिए आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। गृह राज्य मंत्री श्री किरेन रिजीजू और अरुणाचल प्रदेश की सरकार के कृषि, मत्स्य पालन, व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री श्री वांग्की लोवांग और विद्युत, उद्योग, कपड़ा एवं हस्तशिल्प मंत्री श्री तमियो तागा ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत सरकार की 'पूरब की ओर देखो' एवं 'एकट ईस्ट' नीति के एक हिस्से के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है और विकास के लिए इस क्षेत्र में आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं। विभिन्न मसालों जैसे कि बड़ी इलायची, अदरक, हल्दी इत्यादि के निर्यात की व्यापक गुंजाइश है, जिनका स्वाभाविक जैविक उत्पादन अरुणाचल प्रदेश में होता है। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की उपज को एकत्रित करने के लिए मसाला किसान उत्पादक सोसायटियां गठित की जाएंगी। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि एसएफपीसी की स्थापना को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए मसाला बोर्ड, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), लघु किसान कृषि व्यवसाय कंसोर्टियम (एसएफएसी), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) और अरुणाचल प्रदेश की सरकार को मिल-जुलकर काम करना होगा। देश में प्रथम एसएफपीसी का गठन अरुणाचल प्रदेश में किया जाएगा।

श्री किरेन रिजीजू ने अपने संबोधन में इस क्षेत्र के विकास हेतु इस तरह की पहल करने के लिए केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमण की सराहना की।

वीके/आरआरएस/जीआरएस-1164

(Release ID: 1488706) Visitor Counter : 7

